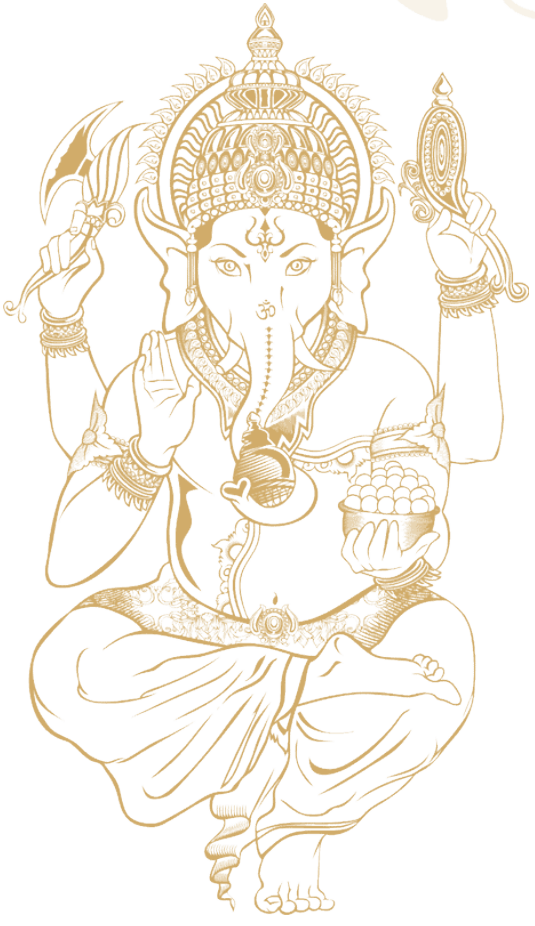

Saumya

24 Mar 2011

08:30 PM

Varanasi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121573503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/03/2011**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	36:17:53 घटी
स्थान	**Varanasi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:19:03 उत्तर
रेखांश	82:58:26 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:01:54 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:31:53 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	08:38:51 घंटे
सूर्योदय	05:58:50 घंटे
सूर्यास्त	18:10:39 घंटे
दिनमान	12:11:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:36:20 मीन
लग्न के अंश	11:32:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:32:21	317:31:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मीन	09:36:20	00:59:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	16:31:59	13:41:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:16:39	00:47:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			मीन	27:53:41	00:46:57	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु			मीन	19:18:02	00:14:26	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	02:47:16	01:11:57	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	20:39:40	00:04:32	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	03:22:36	00:01:22	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	नीच राशि
केतु	व		मिथु	03:22:36	00:01:22	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:41:57	00:03:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप			कुंभ	05:38:26	00:01:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	13:25:26	00:00:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:17:39	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:07

लग्न-चलित

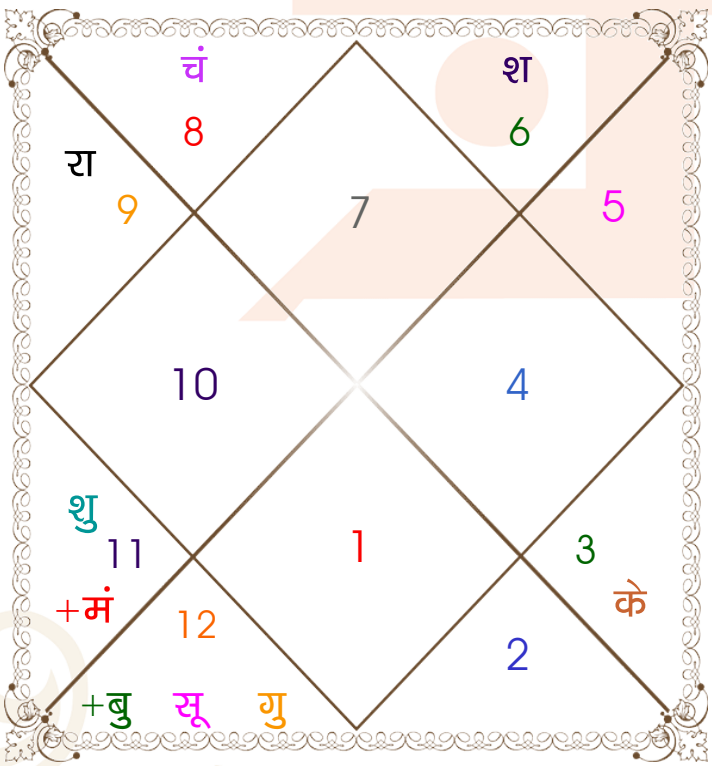

चन्द्र कुंडली

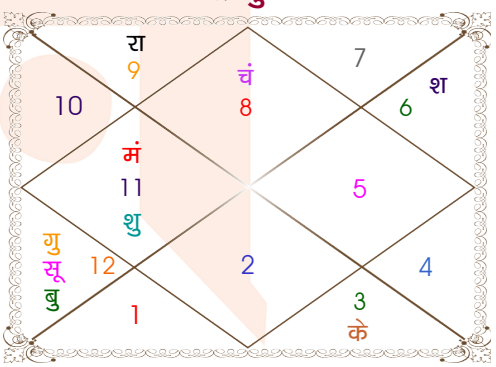

नवमांश कुंडली

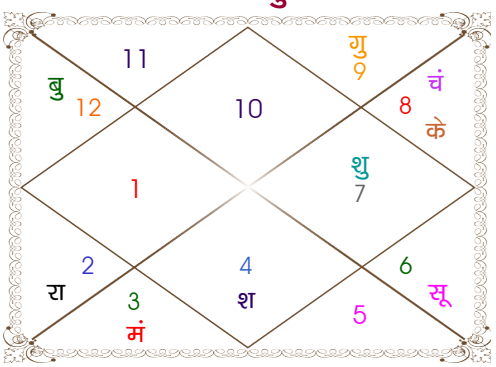

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 2 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/03/2011		02/06/2011		01/06/2028		02/06/2035		02/06/2055	
02/06/2011		01/06/2028		02/06/2035		02/06/2055		01/06/2061	
	00/00/0000	बुध	29/10/2013	केतु	28/10/2028	शुक्र	01/10/2038	सूर्य	19/09/2055
	00/00/0000	केतु	26/10/2014	शुक्र	28/12/2029	सूर्य	02/10/2039	चंद्र	20/03/2056
	00/00/0000	शुक्र	26/08/2017	सूर्य	05/05/2030	चंद्र	01/06/2041	मंगल	26/07/2056
	00/00/0000	सूर्य	02/07/2018	चंद्र	04/12/2030	मंगल	02/08/2042	राहु	20/06/2057
	00/00/0000	चंद्र	02/12/2019	मंगल	02/05/2031	राहु	01/08/2045	गुरु	08/04/2058
	00/00/0000	मंगल	28/11/2020	राहु	20/05/2032	गुरु	01/04/2048	शनि	21/03/2059
	00/00/0000	राहु	17/06/2023	गुरु	26/04/2033	शनि	02/06/2051	बुध	25/01/2060
	24/03/2011	गुरु	22/09/2025	शनि	05/06/2034	बुध	02/04/2054	केतु	01/06/2060
गुरु	02/06/2011	शनि	01/06/2028	बुध	02/06/2035	केतु	02/06/2055	शुक्र	01/06/2061

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/06/2061		02/06/2071		02/06/2078		01/06/2096		02/06/2112	
02/06/2071		02/06/2078		01/06/2096		02/06/2112		25/03/2131	
चंद्र	02/04/2062	मंगल	29/10/2071	राहु	12/02/2081	गुरु	20/07/2098	शनि	06/06/2115
मंगल	01/11/2062	राहु	16/11/2072	गुरु	08/07/2083	शनि	01/02/2101	बुध	13/02/2118
राहु	02/05/2064	गुरु	22/10/2073	शनि	14/05/2086	बुध	10/05/2103	केतु	25/03/2119
गुरु	01/09/2065	शनि	01/12/2074	बुध	01/12/2088	केतु	14/04/2104	शुक्र	25/05/2122
शनि	02/04/2067	बुध	29/11/2075	केतु	19/12/2089	शुक्र	14/12/2106	सूर्य	07/05/2123
बुध	31/08/2068	केतु	26/04/2076	शुक्र	19/12/2092	सूर्य	03/10/2107	चंद्र	05/12/2124
केतु	02/04/2069	शुक्र	26/06/2077	सूर्य	13/11/2093	चंद्र	01/02/2109	मंगल	14/01/2126
शुक्र	01/12/2070	सूर्य	01/11/2077	चंद्र	15/05/2095	मंगल	08/01/2110	राहु	20/11/2128
सूर्य	02/06/2071	चंद्र	02/06/2078	मंगल	01/06/2096	राहु	02/06/2112	गुरु	25/03/2131

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।